SYLLABUS FOR THE BATCH FROM YEAR 2025 TO YEAR 2026

CERTIFICATE IN CREATIVE WRITING IN HINDI

(Credit Based Evaluation and Grading System)

Semester: I

EXAMINATIONS: 2025-2026

Programme Outcomes:

इस प्रमाण–पत्र कार्यक्रम का उद्दे य सामाजिक समस्याओं के चलते हृदय के भीतर जागृत भावों को रचनात्मक कर्म के द्वारा समाज के सामने रखना है। सृजनात्मक लेखन का उद्दे य मानवीय मूल्यों का प्रचार–प्रसार करना और उदात्त भावनाओं को जागृत करते हुए जीवन की सार्थकता की पहचान करवाना है। इस कार्यक्रम के माध्यम से विद्यार्थियों का मार्गद न करते हुए उनकी भीतरी रचनात्मक भाक्ति को उजागर किया जा सकता है। भारत जैसे लोकतांत्रिक दे ा को नैतिक नेतृत्व की बहुत आव यकता है और इसे बनाने में सृजनात्मक लेखन का बहुत बड़ा योगदान हो सकता है।

Department of Hindi

In collaboration with

Directorate of Open & Distance Learning and Online Studies

GURU NANAK DEV UNIVERSITY AMRITSAR

CERTIFICATE IN CREATIVE WRITING IN HINDI Offered by Department of Hindi in Collaboration with Directorate of Open & Distance Learning and Online Studies, Guru Nanak Dev University Amritsar

Session 2025-26

Course Code	Course Name	Compulsory / Optional	Credits
ODCWH101T	सृजनात्मक लेखन : सैद्धांतिक अध्ययन	Compulsory	4-0-0
ODCWH102T	सृजनात्मक लेखन (काव्य)	Compulsory	4-0-0
ODCWH103T	सृजनात्मक लेखन (कथा–साहित्य)	Compulsory	4-0-0
ODCWH104T	सृजनात्मक लेखन (अन्य गद्य विधाएं)	Compulsory	4-0-0

CERTIFICATE IN CREATIVE WRITING IN HINDI Offered by Department of Hindi in Collaboration with Directorate of Open & Distance Learning and Online Studies, Guru Nanak Dev University Amritsar

पेपर–एक

सृजनात्मक लेखन : सैद्धांतिक अध्ययन

ब्वनतेम ब्वकमरू ODCWH101T

HIL **Credit: 4-0-0**

परीक्षा के लिए आवश्यक निर्देश :

यह प्रश्न पत्र चार भागों में विभाजित होगा। परीक्षक द्वारा प्रत्येक भाग में से दो–दो प्रश्न पूछे जायेगे। परीक्षक प्रत्येक प्रश्न के दो, तीन अथवा अधिकतम चार उपभाग कर सकता है। परीक्षार्थी को कुल पांच प्रश्न करने हैं। प्रत्येक भाग में से एक–एक प्रश्न का उत्तर देना अनिवार्य होगा और पांचवां प्रश्न परीक्षार्थी किसी भी भाग से कर सकता है। प्रत्येक प्रश्न 14 अंक का होगा।

सैक ान–ए

सृजनात्मक लेखन की अवधारणा और स्वरूप

सृजनात्मक लेखन के विविध क्षेत्र और लेखन के विविध रूप

साहित्य की सामाजिक सार्थकता, साहित्येतिहास और इतिहास द ान

सैक ान–बी

काव्य प्रयोजन, काव्य हेतु, काव्य का स्वरूप, हिंदी भाशा के विविध रूप

सैक ान–सी

लेखन की अंतर्वस्तु, रचनाकार पैदा होता है या बनाया जाता है? साहित्यक विधाओं का दृ य माध्यमों में रूपातंरण, रचना प्रक्रिया

सैक ान–डी

काव्य विधाओं का संक्षिप्त परिचय

कथात्मक गद्य विधाओं का संक्षिप्त परिचय

अन्य गद्य विधाओं का संक्षिप्त परिचय

Course Outcomes:

साहित्य सदैव सहृदयों को प्रेरित प्रभावित करता रहा है। साहित्य सृजन का प्रमुख उद्दे य लोकोत्तर आनन्द प्रदान करना तो रहता ही है साथ–ही–साथ चेतना की परिश्कृत कर जीवन–मूल्य का निर्माण भी है। प्रस्तुत पाठ्यक्रम साहित्य में रूचि उत्पन्न करने के साथ–साथ साहित्य विधाओं को दृ य माध्यमों से जोड़ता है जो मीडिया में रोजगार की दृश्टि से अत्यंत महत्वपूर्ण है।

सहायक पुस्तकें–

1. हरी ा अरोड़ा, सृजनात्मक लेखन के आयाम
2. राजेन्द्र मिश्र, सृजनात्मक लेखन
3. हरी ा अरोड़ा, रचनात्मक लेखन

4. प्रोफेसर जयमोहन, सृजनात्मक लेखन और संचार क्षमता, एम.ए. डॉ. सुमा.एस

5. अच्छी हिंदी, भोलानाथ तिवारी

CERTIFICATE IN CREATIVE WRITING IN HINDI Offered by Department of Hindi in Collaboration with Directorate of Open & Distance Learning and Online Studies, Guru Nanak Dev University Amritsar

पेपर–दो

सृजनात्मक लेखन (काव्य)

ब्वनतेम ब्वकमरू ODCWH102T

HIL **Credit: 4-0-0**

परीक्षा के लिए आवश्यक निर्देश :

यह प्रश्न पत्र चार भागों में विभाजित होगा। परीक्षक द्वारा प्रत्येक भाग में से दो–दो प्रश्न पूछे जायेगे। परीक्षक प्रत्येक प्रश्न के दो, तीन अथवा अधिकतम चार उपभाग कर सकता है। परीक्षार्थी को कुल पांच प्रश्न करने हैं। प्रत्येक भाग में से एक–एक प्रश्न का उत्तर देना अनिवार्य होगा और पांचवां प्रश्न परीक्षार्थी किसी भी भाग से कर सकता है। प्रत्येक प्रश्न 14 अंक का होगा।

सैक ान–ए

कविता लेखन की प्रक्रिया, लेखकीय व्यक्तित्व और काव्य रचना, मुहावरे लोकोक्तियां और रचनात्मकता

सैक ान–बी

गीत लेखन व नवगीत लेखन की प्रक्रिया, भाशा और रचना, भाब्द भाक्ति और रचनात्मकता

सैक ान–सी

गज़ल लेखन की प्रक्रिया, प्रतीक और रचनात्मकता, छंद और रचनात्मकता

सैक ान–डी

अन्य काव्य रूप (मंचीय कविता, फिल्मी गीत, हाइकु) की प्रक्रिया, बिंब और रचनात्मकता, अलंकार–अर्थ, वर्गीकरण, सिद्धांत, प्रमुख अलंकार, उपयोगिता

Course Outcomes:

काव्य अपने आप में विलक्षण विद्या है। काव्य आदिकाल से लेकर आधुनिक काल तक अनेक पड़ावों, भावबोध एवं ि ाल्प के साथ पल्लवित पुश्पित होता रहा है। इन पड़ावों में गीत और गज़ल लेखन भी प्रयोजनीय भूमिका रखता है। आज के युग में यह मंचीयता से भी जोड़ता है। अलंकार, छन्द, बिम्ब एवं प्रतीक कविता की नवीन भंगिमाओं एवं संरचना के माध्यम से सामाजिक चेतना को पुश्ट करते है। फिल्मी क्षेत्र में रोजगार की दृश्टि से प्रस्तुत पाठ्यचार्य अपेक्षित एवं अपरिहार्य है।

सहायक पुस्तकें–

1. डॉ. मधु धवन, साहित्यिक विधाएं सैद्धान्तिक पक्ष

2. कैला ा चन्द्र यादव, गीत लेखन कैसे करें।

3. प्रो. डॉ. कृश्ण हरि, गीत सिद्धांत एवं इतिहास

4. सुहेल आज़ाद, गज़ल लेखन

5. हरेराम समीप, हिन्दी गज़ल की पहचान

CERTIFICATE IN CREATIVE WRITING IN HINDI Offered by Department of Hindi in Collaboration with Directorate of Open & Distance Learning and Online Studies, Guru Nanak Dev University Amritsar

पेपर–तीन

सृजनात्मक लेखन (कथा–साहित्य)

ब्वनतेम ब्वकमरू ODCWH103T

HIL **Credit: 4-0-0**

परीक्षा के लिए आवश्यक निर्देश :

यह प्रश्न पत्र चार भागों में विभाजित होगा। परीक्षक द्वारा प्रत्येक भाग में से दो–दो प्रश्न पूछे जायेगे। परीक्षक प्रत्येक प्रश्न के दो, तीन अथवा अधिकतम चार उपभाग कर सकता है। परीक्षार्थी को कुल पांच प्रश्न करने हैं। प्रत्येक भाग में से एक–एक प्रश्न का उत्तर देना अनिवार्य होगा और पांचवां प्रश्न परीक्षार्थी किसी भी भाग से कर सकता है। प्रत्येक प्रश्न 14 अंक का होगा।

सैक्शन–ए

कहानी लेखन की उपयोगिता, लघु कथा लेखन, कथाकार के गुण

सैक्शन–बी

कहानी के स्त्रोत, लघुकथा के स्त्रोत, विशय–वस्तु का चयन, कहानी की भाशा– ौली, कहानी का चरित्र विधान, कहानी की रचना–प्रक्रिया

सैक ान–सी

हिंदी की प्रमुख साहित्यिक पत्रिकाएं और कहानी लेखन/लघु कथ्य लेखन, हिंदी समाचार–पत्र एवं कहानी/लघु कथा लेखन

सैक ान–डी

उपन्यास का उद्‌भव एवं विकास

उपन्यास के स्त्रोत, विशय–वस्तु का चयन, उपन्यास का चरित्र–विधान, उपन्यास की भाशा और भौली, उपन्यास की रचना प्रक्रिया

Course Outcomes:

सृजनात्मक लेखन में कथा साहित्य व्यापक संकल्पना है। कहानी में जहां मानव जीवन की किसी एक घटना का वर्णन होता है वहीं उपन्यास में समग्र मानव जीवन का सम्पूर्ण चित्र रहता है। कथा–साहित्य मनोरंजन के साथ–साथ विचार भाक्ति को निर्मित करता है। चेतना की दृश्टि से कथा–साहित्य समाज के निर्माण एवं विकास में अहम भूमिका निभाता है। मीडिया के क्षेत्र में लघु कथा लेखन की महती भूमिका एवं मांग है। इस दृश्टि से भी प्रस्तुत पाठ्‌यक्रम अनुपेक्षणीय है।

सहायक पुस्तकें–

1. इन्द्रनाथ मदान, हिन्दी कहानी पहचान और परख
2. रामे वर कम्बोज, लघुकथा के विविध आयाम
3. डॉ. रामदर ा मिश्र, हिन्दी उपन्यास एवं अन्तर्यात्रा
4. इन्द्रनाथ मदान, आज का हिन्दी उपन्यास
5. राजेन्द्र यादव, उपन्यास स्वरूप और संरचना

CERTIFICATE IN CREATIVE WRITING IN HINDI Offered by Department of Hindi in Collaboration with Directorate of Open & Distance Learning and Online Studies, Guru Nanak Dev University Amritsar

पेपर–चार

सृजनात्मक लेखन (अन्य गद्य विधाएं)

ब्वनतेम ब्वकमरू ODCWH104T

HIL **Credit: 4-0-0**

परीक्षा के लिए आवश्यक निर्देश :

यह प्रश्न पत्र चार भागों में विभाजित होगा। परीक्षक द्वारा प्रत्येक भाग में से दो–दो प्रश्न पूछे जायेगे। परीक्षक प्रत्येक प्रश्न के दो, तीन अथवा अधिकतम चार उपभाग कर सकता है। परीक्षार्थी को कुल पांच प्रश्न करने हैं। प्रत्येक भाग में से एक–एक प्रश्न का उत्तर देना अनिवार्य होगा और पांचवां प्रश्न परीक्षार्थी किसी भी भाग से कर सकता है। प्रत्येक प्रश्न 14 अंक का होगा।

सैक ान–ए

नाट्य लेखन : नाट्य विधा के विविध रूप, नाटक की रचना प्रक्रिया

नाटक : उद्भव एवं विकास

सैक ान–बी

निबंध लेखन : निबंध का उद्भव एंव विकास, निबंध की रचना– प्रक्रिया, निबंध के तत्व, निबंध के प्रकार, निबंध की भाशा– ैली

सैक ान–सी

रिपोर्ताज की रचना प्रक्रिया, व्यंग्य की रचना प्रक्रिया, रेखाचित्र की रचना प्रक्रिया, संस्मरण की रचना प्रक्रिया, रिपोर्ताज : विकासक्रम, रेखाचित्र : विकासक्रम

सैक ान–डी

जीवनी की रचना प्रक्रिया, जीवनी : उद्भव और विकास

आत्मकथा की रचना प्रक्रिया, आत्मकथा : उद्भव और विकास

Course Outcomes:

सृजनात्मक लेखन की समृद्धता एवं व्यापकता इसी में है कि वह अनेक भााखाओं, विधाओं एवं दि ााओं के साथ विकसित हो रहा है। प्रस्तुत पाठ्यक्रम सृजन की विभिन्न आधुनिक विधाओं से परिचित करवाता है साथ ही उनके ि ाल्प विधानका ज्ञान करवाता है। रूप रचना के दृश्टि से भिन्न होते हुए भी ये विधाएं परस्पर सन्निकट है। यह गद्य विधाएं चिंतन को विकसित करती है तथा मानवीयता के धरातल से जोड़ती है।

सहायक पुस्तकें–

1. माजदा असद, गद्य की नयी विधाएं

2. कैला ा चन्द्र भाटिया, साहित्य में गद्य की नयी विविध विधाएं

3. दयानिधि मिश्र, हिन्दी का कथेतर गद्य परम्परा और प्रयोग

4. संतराम दे ापाल, हिन्दी के ललित निबंध